संसाधनों का परिचय

पाठ सं	पाठ का नाम	कौशल	गतिविधि
14	**संसाधनों का परिचय**	समालोचनात्मक चिंतन तथा सृजनात्मक चिंतन, समस्या समाधान तथा निर्णय लेना	उपलब्ध संसाधन तथा इन संसाधनों के प्रबंधन का महत्व

सारांश

हम सभी की आवश्यकताएं होती है - सामग्रीगत तथा गैर-सामग्रीगत। जीवन में खुशी प्राप्त करने के लिए हमारी आवश्यकताओं का पूरा होना महत्वपूर्ण है। अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हमें लक्ष्य निर्धारित करने होते हैं और उन लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करना होता है। उदाहरण के लिएः

- आवश्यकता - आने जाने का साधन
- लक्ष्य - कार को खरीदना
- परिणाम - आवश्यकता पूरी हो जाने पर खुशी

आवश्यकता → **लक्ष्य** → **परिणाम**

लक्ष्य वह उद्देश्य है जिसे हम अपने जीवन में खुशी प्राप्त करने के लिए अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु प्राप्त करते हैं। लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान नहीं होता है। व्यक्ति के पास इन्हें पूरा करने के लिए समय, पैसा, ऊर्जा आदि होनी चाहिए, उदाहरण के लिए एक परीक्षा को पास करने के लिए आपके पास समय, ज्ञान, पुस्तकों तथा धन की आवश्यकता होती है। लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयोग किए जाने वाले इन साधनों को **संसाधन** कहते हैं।

संसाधनों के प्रकार

क. मानव संसाधनः वे संसाधन जो व्यक्ति के स्वयं के पास होते हैं और उनका प्रयोग केवल वही व्यक्ति कर सकता है तथा इन्हें उससे लिया नहीं जा सकता या बांटा नहीं जा सकता है जैसे समय, ऊर्जा, कौशल, क्षमता।

ख. गैर-मानवीय संसाधनः इन संसाधनों का प्रयोग अन्यों द्वारा किया जा सकता है तथा इन्हें बांटा भी जा सकता है जैसे धन, पार्क तथा अस्पताल आदि।

प्रमुख बिन्दु

संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग कैसे करें

जब कोई वस्तु सीमित होती है या उसकी आपूर्ति कम मात्रा में होती है तो व्यक्ति को उस सीमित वस्तु से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए सावधानी बरतनी चाहिए, उसे संसाधनों के प्रबंधन को सीखना चाहिए।

- उदाहरण के लिए छुट्टियों के दौरान(अधिक समय उपलब्ध होता है) -- समय का प्रयोग आराम से किया जाता है --कम प्रबंधन की आवश्यकता होती है।
- परीक्षा के दौरान(कम समय उपलब्ध होता है) --समय का उचित प्रयोग --उचित प्रबंधन की आवश्यकता होती है।

संसाधन हमेशा सीमित होते हैं। केवल उचित प्रबंधन से ही लक्ष्यों को प्राप्त करेने के लिए संसाधनों का प्रबंधन किया जा सकता है।

अपने ज्ञान का निर्माण करें

क) एक परिधान को सिलने के लिए हमें मानव संसाधन जैसे समय, ऊर्जा, ज्ञान तथा कौशल और गैर मानवीय संसाधन जैसे धन, कपड़े तथा सिलाई मशीन की आवश्यकता होती है।

ख) एक मेज बनाने के लिए हमें मानव संसाधन जैसे समय, ऊर्जा, ज्ञान तथा कौशल तथा गैर-मानवीय संसाधनों जैसे लकड़ी,हथौड़ी, आरी, कीलों आदि की आवश्यकता होती है।

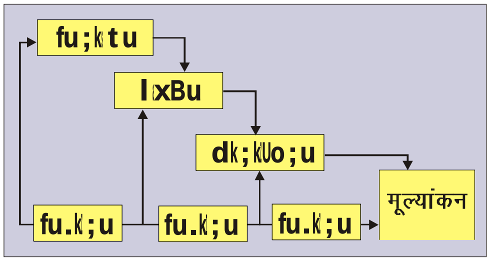

क्या जानना महत्वपूर्ण है?

प्रबंधन प्रक्रिया

प्रबंधन का अर्थ - जो आपके पास है उसका प्रयोग(संसाधन) - अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए।

प्रबंधन प्रक्रिया के चरणः

1. **नियोजनः** यह वास्तविक कार्य आरंभ होने से पूर्व का चरण है। नियोजन की संपूर्ण प्रक्रिया मानसिक रुप से पहले ही की जाती है। कार्य के सभी पहलुओं पर विचार किया जाता है।इसमें शामिल हैः
   क) गतिविधियों की सूची बनाना ताकि कोई कार्य छूट न जाए।
   ख) उनका क्रम निर्धारित करना ताकि गतिविधियों के उचित प्रवाह को बनाया रखा जा सके और,
   ग) स्थितियों के परिवर्तन से निपटने के लिए कार्यक्षेत्र में लचीलापन उपलब्ध कराएं।
2. **संगठनः** कर्मचारियों की इच्छा, उनकी क्षमता, समय की उपलब्धता के अनुसार कार्य को कर्मचारियों के बीच विभाजित किए जाने की आवश्यकता होती है। कर्मचारियों को अपना कार्य करने के लिए उपयुक्त संसाधनों को एकत्र करना होता है। संगठन यह सुनिश्चित करता है कि सभी कार्य समय पर पूरे हों तथा कार्य का समान वितरण हो।
3. **कार्यान्वयनः** यह चरण योजना को क्रियान्वित करता है। इसके अंतर्गत पहले नियोजित तथा संगठित कार्य को वास्तव में निष्पादित किया जाता है।
4. **मूल्यांकनः** इस प्रक्रिया में योजना की प्रगति की जांच की जाती है ताकि किसी प्रकार की कमियों का पता लगाया जा सके और तदनुसार निवारक उपाय किए जा सकें। सामान्यत, यह प्रबंधन का अंतिम चरण है किन्तु इसका प्रयोग प्रबंधन के प्रत्येक चरण के अंत में किया जा सकता है ताकि कार्य की प्रगति को बेहतर बनाया जा सके।

   प्रबंधन प्रक्रिया के चरण अंतर-संबंधित हैं।

क्या आप जानते हैं?

संसाधन सदैव के लिए बने नहीं रहते हैं। इसलिए, निम्नलिखित प्रक्रिया का प्रयोग करते हुए संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाना चाहिएः

- **बर्बादी से बचेंः** अनावश्यक रुप से पानी का नल खुला न छोड़ें।
- **संरक्षण(बिजली)ः** जब आप कमरे से बाहर निकलें तो लाइट, पंखे, एयर कंडीशनर आदि के स्विच बंद कर दें ताकि बिजली की बचत हो सके।
- **विकल्पों का प्रयोगः** गैस कुकिंग के स्थान पर सौर कुकिंग का प्रयोग करें।
- **संसाधनों को लंबे समय तक बनाए रखेंः** धन के विवेकपूर्ण प्रयोग से यह लंबे समय तक बना रहता है।
- **संरक्षण करते समय दूसरों को प्रभावित न करेंः** धन की बचत करते समय परिवार की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं को नजरअंदाज न करें।

स्व-मूल्यांकन करें

1. अपने कोई दो अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन लक्ष्यों का निर्धारण करें। इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधनों की सूची तैयार करें।
2. गृह विज्ञान के विद्यार्थी के रुप में तीन प्रश्नों की सूची तैयार करें जो आप अपने परिवार के आहार का मूल्यांकन करते समय स्वयं से पूछेंगे।

अपने ज्ञान का विस्तार करें

आपको अपने भाई के जन्मदिन की पार्टी की व्यवस्था करनी है। इस संबंध में किए जाने वाले सभी कार्यों की योजना बनाएं तथा इसके लिए आवश्यक संसाधनों की सूची तैयार करें।

अपने अंकों को अधिकतम बनाएं

सफल प्रबंधन के लिए निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखेंः

1. की जाने वाली गतिविधियों की सूची तैयार करें चाहे आप उन्हें याद रख भी सखते हों।
2. अपनी योजना अत्यधिक अव्यवहारिक या जटिल न बनाएं।
3. उन लोगों को उत्तरदायित्व सौंपे जो कार्य करने के इच्छुक हों और उनके पास समय भी हो।
4. सुनिश्चित करें कि आप अपनी योजना के कार्यान्वयन में योजना के अनुसार ही चलें।
5. प्रबंधन के प्रत्येक चरण के पश्चात कार्य का थोड़ा मूल्यांकन करें ताकि निवारक कार्रवाई समय पर की जा सके।